मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 306, मुंबई, बुधवार, 31 जनवरी, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

विपक्ष को डराने के लिए ईडी का हो रहा इस्तेमाल

किशोरी पेडणेकर-संदीप राउत से पूछताछ पर भड़के संजय राउत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। शिवसेना उद्धव गुट की नेता किशोरी पेडणेकर और संदीप राउत से ईडी की पूछताछ खत्म हो गई। ईडी ने दोनों नेताओं से 7 से 8 घंटे तक लगातार पूछताछ की। पूरे मामले में किशोरी पेडेनेकर ने बताया कि उनसे बॉडीबैग के बारे में न पूछकर किसी अन्य कंपनी के बारे में पूछा गया और दस्तावेज मांगे। किशोरी पेडेनेकर ने आरोप लगाया कि उनकी जांच इसलिए की जा रही है क्योंकि वो मेयर थीं। किशोरी पेडेनेकर ने यह कहकर ईडी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा कि यह देश में राजनीतिक माहौल में हो रहे बदलाव का हिस्सा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

तवे वाले बाबा की खुली क्राइम कुंडली

रेप केस दर्ज होते ही आश्रम छोड़ भागा

मुंबई। तवे पर बैठा शख्स और नीचे जलती आग.. जी हां, हाल ही में महाराष्ट्र के अमरावती के संत गुरुदास महाराज उर्फ तवे वाले बाबा का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इसके बाद तवे वाले बाबा चर्चा का केंद्र बन गए थे। हालांकि अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगने के बाद जब पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की तो वह रफूचक्कर हो गए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महिला भक्त से बलात्कार! : गुरुदास बाबा उर्फ सुनील कावलकर के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया है। उस पर मध्य प्रदेश के जबलपुर की एक महिला श्रद्धालु से बलात्कार का आरोप लगा है। आरोप है कि महिला का अश्लील वीडियो भी बनाया गया है। इस मामले में बाबा के खिलाफ अमरावती के कुरहा थाने में रेप का मामला भी दर्ज किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद सुनील कावलकर फरार हो गया है। पुलिस टीम उसकी तलाश में जुट गई है।

दैवीय शक्ति आने का दावा

पत्रकारों से बाबा का कहना है कि वह कोई चमत्कारी बाबा नहीं हैं और न ही अंधविश्वास पर भरोसा करता हैं। जब शरीर में कोई दैवीय शक्ति आ जाती तो उन्हें भी पता नहीं चलता कि वह क्या कर रहे हैं और कहां बैठे हैं। एक बार कथित बाबा ने कहा था कि वें अंधविश्वास नहीं फैला रहे है, ये सब आस्था का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया था कि वह कोई संत नहीं हूं। वह भगवान गौतम बुद्ध, प्रभु श्री रामचंद्र, येशु क्राइस्ट, संत गाडगे, बाबा तुकडोजी महाराज को मानते हैं।

पति से हुआ झगड़ा तो पत्नी ने गुस्से में फूंक डाला घर

राख हो गया सारा सामान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले पति-पत्नी के बीच का विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी ने गुस्से में आकर अपने ही घर में आग लगा ली। महिला और उसका पति पेशे से डॉक्टर हैं। आग लगाने के बाद महिला डॉक्टर घर से फरार हो गई है। वहीं देर रात घर से आग की बड़ी लपटें निकलती हुई देख पड़ोसियों ने फायर ब्रिगेड को कॉल कर सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। भयंकर गुस्से में इंसान अक्सर ऐसी गलती कर बैठता है, जिसका अंदाजा वह बाद में भी लगा नहीं पाता। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अब शिवसेना की वेबसाइट पर घमासान

शिंदे समर्थकों ने उद्धव ठाकरे गुट पर लगाया गलत इस्तेमाल का आरोप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। शिंदे गुट ने उद्धव गुट पर शिवसेना पार्टी के इनकम टैक्स वेबसाइट के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया है। शिवसेना पार्टी, जो अब शिंदे गुट की हो गई है। उसने उद्धव गुट पर गंभीर आरोप लगाया है। आरोप है कि उद्धव गुट शिवसेना पार्टी की ऑफिशियल इनकमटैक्स वेबसाइट के login ID और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल कर रही है। शिंदे गुट शिवसेना पार्टी पदाधिकारियों ने आज इसकी शिकायत मुंबई पुलिस कमिश्नर से की है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शिंदे गुट ने खुद को बताया असली शिवसेना

इस बीच, विधानसभा स्पीकर के फैसले के बाद शिंदे गुट के नेता बहुत ही उत्साहित हैं और चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। वे खुद को असली शिवसेना बता रहे हैं। वहीं, इस घमासान के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार तीनों बड़े नेता एक साथ दिल्ली दौरे पर जाने वाले हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक

जो रिपोर्ट पेश की गई है, उस पर गौर करते हुए हर बिंदु पर अहसास होता है कि यह आर्थिक से ज्यादा एक राजनीतिक दस्तावेज है, जिसे चुनावी मकसद से मीडिया में बड़ी सुर्खियां बनाने के लिए लिहाज से तैयार किया गया है।

परंपरा यह है कि बजट पेश होने से पहले भारत सरकार संसद में गुजर रहे वर्ष का आर्थिक सर्वेक्षण पेश करती है। आम समझ है कि बजट ऐसा आर्थिक दस्तावेज होता है, जिसे सरकार की राजनीतिक प्राथमिकताओं के मुताबिक तैयार किया जाता है। जबकि आर्थिक सर्वेक्षण ठोस आंकड़ों पर आधारित दस्तावेज है, जिससे देश की असल आर्थिक सूरत की जानकारी मिलती है। आर्थिक सर्वेक्षण को सरकार के प्रमुख आर्थिक सलाहकार तैयार करते हैं। इस बार भी उन्होंने ऐसा किया है, लेकिन परंपरा से अलग हटते हुए उसे प्रेस कांफ्रेंस के जरिए अंतरिम बजट पेश होने तीन दिन पहले जारी कर दिया गया। बाद में सफाई दी गई कि चूंकि इस बार पूर्ण बजट पेश नहीं हो रहा है, इसलिए ये दस्तावेज संसद से बाहर जारी किया गया है- लोकसभा चुनाव के बाद पूर्ण बजट पेश होगा, तब आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। बहरहाल, जो रिपोर्ट पेश की गई है, उस पर गौर करते हुए हर बिंदु पर अहसास होता है कि यह आर्थिक से ज्यादा एक राजनीतिक दस्तावेज है, जिसे चुनावी मकसद से मीडिया में बड़ी सुर्खियां बनाने के लिए लिहाज से तैयार किया गया है। मसलन, अगले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, और विश्व बैंक के अनुमान 6.3-6.4 प्रतिशत के दायरे में हैं। फिर 2030 तक सात ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना इसमें दिखाया गया है। इन संदर्भों में सरकार की जो आलोचनाएं रही हैं, उनका जवाब भी इसमें देने की कोशिश की गई है। जैसेकि मुख्य आर्थिक सलाहकार वी नागेश्वरन ने कहा कि मोदी काल की औसतन सात प्रतिशत की वृद्धि दर यूपीए काल के 8-9 प्रतिशत से बेहतर है, क्योंकि तब विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर आज से दो गुना ज्यादा थी। इसके अलावा रोजगार के उन आंकड़ों का सहारा लेकर आर्थिक वृद्धि को समावेशी बताने की कोशिश भी की गई है, जिन पर विशेषज्ञ हलकों से वाजिब सवाल उठाए गए हैं। तो सार यह है कि आर्थिक सलाहकार ने सत्ताधारी पार्टी को खुशहाली की कहानी दी हैं, जिनसे वह चुनावी हेडलाइन्स बना सके।

वाटर विजन@ 2047 के एजेंडे में सहयोग करना हर नागरिक का कर्तव्य

आओ जल संग्रहण प्रबंधन और उपयोग दक्षता पर स्वतः संज्ञान लेकर जन-भागीदारी बढ़ाएं

वैश्विक स्तर पर कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय मंचों और दुनियां के अलग-अलग देश में अलग अलग मंचों से जल ही जीवन है सहित अनेको स्लोगन देकर विश्व के हर नागरिक को पीने के पानी और उसके स्त्रोतों की स्थिरता में विशेष सहयोग की अपील की जाती है।हर देश के नागरिकों को स्वतः संज्ञान लेकर अपने आप एक्शन होकर यह जनजागरण फैलाना चाहिए कि आओ जल संग्रहण प्रबंधन और उपयोग दक्षता पर ध्यान देकर उसमें सहयोग देने जन भागीदारी बढ़ाएं।भारत में अभी हाल ही में देश की जल सुरक्षा को मजबूत करने वाटर विजन @ 2047 द अहेड विषय पर अखिल भारतीय सचिव ऑन का सम्मेलन चेन्नई में किया गया,जहां 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 30 सचिवों और उनके अनेक प्रतिनिधियों ने भाग लिए और 5, 6 जनवरी 2023 को भोपाल में आयोजित हुआ था।देश की जल सुरक्षा को मजबूत करने के प्रमुख उद्देश्य के साथ 'वॉटर विजन@ 2047- वे अहैड विषय पर अखिल भारतीय सचिवों का दो दिवसीय सम्मेलन' कल महाबलीपुरम, चेन्नई में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में 32 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों, 30 सचिवों और 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 5 और 6 जनवरी 2023 को भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित जल पर राज्य मंत्रियों के प्रथम अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन की 22 सिफारिशों पर अपनी सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों और कार्यों को साझा किया।उक्त 22 सिफारिशों में पीने के पानी और उसके स्रोत की स्थिरता को प्राथमिकता देना, जलवायु लचीलेपन की व्यवस्था करना, मांग और आपूर्ति दोनों पक्षों का प्रबंधन, बड़े और छोटे दोनों स्तरों पर जल भंडारण को बढ़ाना, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, जल उपयोग की दक्षता बढ़ाना, हर स्तर पर जल संरक्षण कार्यक्रमों को तेज करना, नदियों को आपस में जोड़ने को प्रोत्साहित करना, नदी के स्वास्थ्य की निगरानी करना और पर्यावरणीय प्रवाह को बनाए रखना, उचित बाढ़ प्रबंधन उपाय करना और इन सभी कार्यों में लोगों की बढ़ी हुई भागीदारी शामिल करना शामिल है। यह सम्मेलन कार्रवाई में तेजी लाने के लिए इन सिफारिशों पर अमल करता है। हमारा करता है इसलिए आज हम मीडिया व पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पीने के पानी और उसके स्रोतों की स्थिति में जन भागीदारी होना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम पृथ्वी पर जीवन जीने के लिए जल केमहत्व की करें तो, जल है तो कल है, बावजूद इसके जल बेवजह बर्बाद किया जाता है।हमें यह नहींभूलना चाहिए कि जल संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आये हैं जल ही जीवन है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमुल्य संसाधन है जल, या यूं कहें कि यही सभी सजीवो के जीने का आधार है जल। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। इसमें भी 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 प्रतिशत पानी ही मानव के

पीने के पानी और उसके स्त्रोतों की स्थिरता में जनभागीदार होना समय की मांग

उपयोग हेतु उपलब्ध है।नगरीकरण और औद्योगिकीरण की तीव्र गति व बढ़ता प्रदूषण तथा जनसंख्या में लगातार वृद्धि के साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। जैसे जैसे गर्मी बढ़ रही है देश के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जाती है, लेकिन हम हमेशा यही सोचते हैं बस जैसे तैसे गर्मी का सीजन निकाल जाये बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जायेगी और यह सोचकर जल सरंक्षण के प्रति बेरुखी अपनाये रहते हैं।

साथियों बात अगर हम चेन्नई में आयोजित वाटर विजन एट द रेट ऑफ 2047 वे अहेड की करें तो, इस सम्मेलन को जल प्रबंधन के क्षेत्र में पाँच विषयगत सत्रों में विभाजित किया गया थासम्मेलन के पहले दिन में दो विषयगत सत्र यानी जलवायु लचीलापन और नदी स्वास्थ्य और जल प्रशासन शामिल थे। इसके अलावा मंत्रिस्तरीय सत्र भी हुआ, जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार के माननीय जल शक्ति मंत्री ने की। माननीय मंत्री ने समुदायों और पर्यावरण की भलाई के लिए पानी के स्थायी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए सहयोग और नवाचार की सख्त जरूरतों पर जोर दिया। उन्होंने देश में जल सुरक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्र-राज्य साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम सम्मेलन के दूसरे दिन जल उपयोग दक्षता, जल भंडारण और प्रबंधन और लोगों की भागीदारी/जनभागीदारी' पर तीन विषयगत सत्रों को शामि ल किया गया।सम्मेलन की संक्षिप्त रिपोर्ट और महत्वपूर्ण बातें सुश्री अर्चना वर्मा, एएस एवं एमडी, राष्ट्रीय जल मिशन द्वारा प्रस्तुत की गईं।अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने विषयगत सत्रों से प्राप्त निष्कर्षों के बारे में विस्तार से बताया जो इस प्रकार हैं:जलवायु लचीलापन और नदी स्वास्थ्य जलवायु परिवर्तन के कारण बार-बार बाढ़ और सूखा जैसी भयंकर घटनाएं होंगी;जलवायु के अनुकूल बुनियादी ढांचे की आवश्यकता - भंडारण, नदियों को आपस में जोड़ना, तलछट प्रबंधन गैर-संरचनात्मक उपाय जैसे बाढ़ मैदान जोनिंग, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली आदि संरचनात्मक उपायों के समान ही महत्वपूर्ण हैं;नदी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रवाह, पानी की गुणवत्ता बनाए रखी जाएगी;लघु मध्यम और दीर्घकालिक मौसम की भविष्यवाणी और जल संसाधनों पर इसके प्रभाव के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग।जल अधिकारप्रत्येक राज्य के लिए जल संसाधन नियामक प्राधिकरण गठित करना आवश्यक;राष्ट्रीय जल नीति की तर्ज पर बनाई जाएगी राज्य जल नीति;देश के प्रत्येक नदी बेसिन के लिए नदी बेसिन योजना का विकास;एनडब्ल्यूआईसी के साथ जोड़कर राज्य जल सूचना विज्ञान केंद्र की स्थापना;राज्यों द्वारा तर्कसंगत जल टैरिफ तंत्र विकसित किया जाएगा;उपचारित अपशिष्ट जल के सुरक्षित पुनः उपयोग के लिए राज्यों द्वारा अपनाई जाने वाली रूपरेखा।जल उपयोग दक्षतामौजूदा परियोजनाओं का कुशल उपयोग उतना ही महत्वपूर्ण है जितना नई परियोजनाओं का विकास;सूक्ष्म सिंचाई का उपयोग करने और आईपीसी-आईपीयू अंतर को कम करने के लिए किए जाने वाले प्रयास;राज्य जल लेखांकन और बेंचमार्किंग पहल में अपनी रुचि दिखा सकते हैं,विभिन्न पहलों के माध्यम से छोटी-बड़ी सिंचाई के बीच अभिसरण;पाइप सिंचाई नेटवर्क के साथ-साथ आधुनिकीकरण पर जोर दिया जाएगा;महत्वपूर्ण फसल पैटर्न परिवर्तन अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहन;भारत सरकार सीएडीडब्ल्यूएम योजना सुधारों पर काम में तेजी ला सकती है।जल संग्रहण एवं प्रबंधबड़ी और छोटी भंडारण परियोजनाओं के माध्यम से भंडारण में वृद्धि;नियमित ड्रेजिंग और अन्य ओ एंड एम उपाय कुशलतापूर्वक किए जाने चाहिए;तलछट प्रबंधन के लिए जलग्रहण क्षेत्र उपचार;बफर भंडारण टैंक, बर्फ की कटाई, भूमि सुधार, बंजर भूमि का उपयोग आदि जैसे हस्तक्षेपों को बढ़ावा दिया जाएगा;भूजल का कृत्रिम पुनर्भरण बड़े पैमाने पर किया जाएगा;लोगों की भागीदारी जनभागीदारी जल उपयोगकर्ता संघों के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाना और उन्हें जल प्रबंधन में शामिल करना, पीआरआई के माध्यम से मुख्यधारा के सामुदायिक जुड़ाव के प्रयास किए जाएंगे;हर स्तर पर हितधारकों की भागीदारी और क्षमता निर्माण समय की मांग है;नए विचार और युवा ऊर्जा के लिए युवा दिमागोंको जनआंदलन में शामिल किया जाएगा;बॉटम अप प्लानिंग दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।सम्मेलन से प्राप्त सुझाव और निष्कर्ष प्रतिभागियों से भी मांगे गए। निरंतर संवाद और विचार-विमर्श के माध्यम से वॉटर विजन @ 2047 के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों पर सचिवों का एक कार्य समूह बनाने का प्रस्ताव किया गया था

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वाटर विजन@ 2047 के एजेंडे में सहयोग करना हर नागरिक का कर्तव्य।आओ जल संग्रहण प्रबंधन और उपयोग दक्षता पर स्वतः संज्ञान लेकर जन-भागीदारी बढ़ाएं।पीने के पानी और उसके स्त्रोतों की स्थिरता में जनभागीदार होना समय की मांग है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

पहाड़ का आड़-अनाधिकृत निर्माण का प्राकृतिक द्वार

मुंबई हलचल/संवाददाता

शील फाटा-मुंब्रा /ठाणे। महानगरपालिका के अंतर्गत आने वाला यह क्षेत्र अवैध भवन निर्माण को एक खास प्राकृतिक सुविधा प्रदान कर रहा है। इसका कारण यह है कि इस स्थल के पश्चिम में पहाड़ी सिलसिला है जो कि प्राकृतिक सुरक्षा दिवार तथा द्वार का काम कर रहा है। दरअसल शीबली नगर तथा शील फाटा के मध्य एवं मुख्य मार्ग से पश्चिम की ओर पहाड़ के दामन में बसा हुआ ग्रीन पार्क नामी कॉलोनी तो अधिकृत है किन्तु इसी की आड़ लेकर यहां अनाधिकृत भवन निर्माण भी किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इस भूभाग पर एक वैध कॉलोनी ग्रीन पार्क नाम का है और वर्षो से आबाद भी है, इस वैध कॉलोनी के पीछे बड़ा पहाड़ है, जो कि एक खास सुरक्षा प्रदान कर रहा है कुख्यात बिल्डरों को और यह गिरोह सुगमता पूर्वक अपने अवैध भवन निर्माण में मस्त एवं व्यस्त है। अब रहा महानगरपालिका के अधिकारियों की भूमिका और कारवाई तो वह चिंताजनक है। हाँ, केवल अधिकृत भवन में रहने वालों के लिए ही यह चिंता की बात है। वर्ना बिल्डर माफिया और मनपा अधिकारियों की तो आय के श्रोत ही हैं? ऐसा कथन स्वयं यहां के निवासी को कहते सुना गया है जो कि आदर्श प्रशासनिक दृष्टिकोण से अभद्र भी है और अशुभ भी। अब मनपा के अधिकारी क्या कारवाई करते हैं यह देखना बाकी है और दिलचस्प भी रहेगा।

ऑल इंडिया वर्कर्स कांग्रेस कमेटी ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले का किया सत्कार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुंबई में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तिलक भवन, कार्यालय दादर में श्री. नाना पटोले जी प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी) इनके मुबारक हाथों से प्रजासत्ताक दिन का झंडा वंदन किया गया ध्वजारोहण के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। उसके बाद ऑल इंडिया वर्कर्स कांग्रेस कमेटी मुंबई अध्यक्ष महाराष्ट्र महासचिव पत्रकार जफर सिद्दीकी महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष माननीय नाना पटोले जी का शॉल बुके देकर सत्कार किया। प्रदेश अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले ने ऑल इंडिया वर्कर्स कांग्रेस कमेटी मुंबई अध्यक्ष पत्रकार जफर सिद्दीकी इनके सत्कार को स्वीकार और उनसे चर्चा भी की इस अवसर पर पूर्व मंत्री हुसैन जी दलवई, महिला कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका

ताई लांबा जी.अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के महाराष्ट्र महाराष्ट्र अध्यक्ष विधायक डॉ. वजाहत मिर्जा, विधायक श्री. धीरज लिंगड़े जी, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अतुल अतुल लौंढे जी, प्रदेशमहासचिव डॉ. राजू वाघमारे, सैयद इश्तियाक प्रदेश महासचिव अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी) अखिल भारतीय ऑल इंडिया वर्कर्स कांग्रेस कमेटी उत्तर मध्य जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उस्मान खान उर्फ लाला मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महिलाओं की भागीदारी से न्यू होम मिनिस्टर सुपरहिट

शारदा कॉन्वेंट का मैदान उत्साह, संगीत और हंसी से गूंज उठा

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। राजर्षी शाहू मल्टिस्टेट और धनिक एडव्हायझर्स के सहयोग से 29 जनवरी को आयोजित और अभिनेता क्रांतिना मालेगांवकर द्वारा प्रस्तुत नए गृह मंत्री खेल पैठाणी कार्यक्रम को बुलढाणा के महिलाओं से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। महिलाओं ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और मंच पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। शारदा कॉन्वेंट का मैदान महिलाओं के उत्साह और संगीत से सदाबहार हो गया।

यह संगीत कार्यक्रम सोमवार की यहां के शारदा कॉन्वेंट के मैदान में विशेष रूप से महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था। राजर्षि साहू परिवार के संस्थापक अध्यक्ष भाऊसाहेब शेळके, वन बुलढाणा मिशन के संस्थापक संदीप शेळके, राजर्षि साहू मल्टीस्टेट की अध्यक्ष मालती शेळके प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ महापुरुष के चित्र

पर पूजन कर किया गया। सिने अभिनेता क्रांतिना मालेगांवकर ने उपस्थित महिलाओं के साथ हंसी-मजाक और बातचीत कर कार्यक्रम में रंग भर दिया। छोटी सह्याद्री मालेगांवकर ने उनका भरपूर साथ दिया। जो महिलाएं कभी किसी मंच पर नहीं थीं, उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम खेल, मनोरंजन, हंसी-मजाक, बातचीत, सवाल-जवाब, खुले विचारों वाले संवाद से भरपूर था।

ये पुरस्कारों के मानक हैं

क्रांतिनाना मालेगांवकर अपने खास अंदाज में बोले नए होम मिनिस्टर...शहर बुलढाणा की खेल कार्यक्रम में शामिल हुईं महिलाओं ने मुस्कुराते हुए विभिन्न खेलों में भाग लिया। फ्रिज के रूप में प्राजक्ता काशीकर ने प्रथम पुरस्कार जीता। राधा चिंचोलकर ने दूसरा पुरस्कार वॉशिंग मशीन और मोहिनी मिसालकर ने तीसरा पुरस्कार एलईडी जीता। प्रत्येक भाग लेने वाली महिला को एक स्वस्थ उपहार दिया गया। महिलाओं ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि बहुत ही सुंदर ढंग से आयोजन किया गया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

तवे वाले बाबा की खुली क्राइम कुंडली

इस बीच अब तवे वाले बाबा की क्राइम कुंडली खुलती नजर आ रही है। उनके खिलाफ एक महिला से बार-बार बलात्कार करने का केस दर्ज हुआ है। ढोंगी बाबा फिर फरार हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तवे वाले बाबा का असली नाम सुनील कावलकर है। लेकिन वह खुद को गुरुदास बाबा बताता है। महाराष्ट्र में अमरावती जिले के तिवासा तालुका के मार्डी से उसका आश्रम है। वहीं गौरक्षण संस्था भी चलाता हैं। तथाकथित बाबा पहले दिहाड़ी मजदूर था। उस पर अब मध्य प्रदेश की एक महिला भक्त ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक, जबलपुर की महिला श्रद्धालु के पति को नशे की लत है। जिससे परिवार में विवाद होता था। पति नशा छोड़ सही हो जाए, इसके लिए पीड़िता मार्डी स्थित बाबा के आश्रम में आई थी। लेकिन आरोपी ने उससे कहा कि अगर उसे पति की बीमारी ठीक करानी है तो आश्रम में रहना होगा। 34 वर्षीय पीड़ित महिला ने बताया कि वह अपने पति की नशे की लत छुड़ाने के लिए 2 मई 2023 को मार्डी स्थित बाबा के आश्रम में आई थी। तब उसे इलाज के बहाने आश्रम में रोक लिया गया। इस दौरान तीन महीने तक ढोंगी बाबा ने लगातार उसका यौन शोषण किया। शादी का भी वादा किया। मोबाइल फोन में महिला का अश्लील वीडियो भी रिकॉर्ड किया। बाद में जब पीड़िता के सामने सुनील कावलकर का असली चेहरा सामने आया तो उसने जवाब मांगा। जिसके बाद सुनील कावलकर ने कथित तौर पर पीड़ित महिला को धमकाया। इसके बाद 2 जनवरी को वह महिला को नागपुर में छोड़कर फरार हो गया।

अब शिवसेना की वेबसाइट पर घमासान

शिंदे शिवसेना गुटके पदाधिकारियों का एक शिष्ट मंडल ने मुंबई पुलिस से मांग की है कि वह इस मामले की पूरी तरह से जांच करें, क्योंकि अब शिवसेना पूरी तरह से शिंदे गुट की हो गई है। इसलिए जो भी ऑफिशल वेबसाइट है, पासवर्ड है और डॉक्यूमेंटेशन है वह सब कुछ शिंदे गुट के सुपुर्द किया जाए ताकि उसका आगे गलत इस्तेमाल न हो सके। शिंदे गुट शिष्ट मंडल के पदाधिकारियो के मुताबिक मुंबई पुलिस कमिश्नर ने उन्हें तुरंत इस पर कार्रवाई करने और जल्द से जल्द जांच करने का आश्वासन दिया है।बता दें कि 10 जनवरी को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी थी और दसवीं अनुसूची के तहत विद्रोही सेना विधायकों को अयोग्य घोषित करने की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट की याचिका को खारिज कर दिया था।

विपक्ष को डराने के लिए ईडी का हो रहा इस्तेमाल

उन्होंने आरोप लगाया कि उनको राजनीतिक तौर पर फंसाया जा रहा है। वही संजय राऊत के भाई संदीप राउतने बताया कि मुझे भी ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। संदीप राउत ने बताया कि मैंने पूरा सपोर्ट किया है। आगे फिर से बुलाया जाएगा तो मैं आऊंगा। जांच में पूरा सहयोग है। मुझ पर 7 लाख के भ्रष्टाचार की बात की जा रही है।उस वक्त ऐसे हालात थे कि लोगों की मदद करना ज्यादा जरूरी था। मुझसे मदद मांगी गई मैंने मदद की। 7 लाख के लेनदेन को भ्रष्टाचार कहना गलत है। ठाकरे परिवार की करीबी मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

पति से हुआ झगड़ा तो पत्नी ने गुस्से में फूंक डाला घर

महाराष्ट्र में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। यहां छत्रपति संभाजीनगर में पति-पत्नी नालंदा अपार्टमेंट के एक फ्लैट में रहते थे। दोनों के बीच अनबन रहती थी। पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता था लेकिन 28 जनवरी को इस झगड़े ने विकराल रूप ले लिया। दोनों के बीच का झगड़ा इतना बढ़ गया कि महिला डॉक्टर ने गुस्से में आकर अपने ही फ्लैट में आग लगा दी और देखते ही देखते कुछ ही घंटों में पूरा घर राख हो गया।

उत्तर भारतीय संघ द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम संपन्न

नालासोपारा। दिनांक 24 /1 /2024 को नालासोपारा पूर्व बालाजी हाल में उत्तर भारतीय संघ द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम किया गया इस अवसर पर विशेष रूप से पालघर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील व भारतीय जनता पार्टी पालघर जिला की महिला अध्यक्ष श्रीमती कंचन झा के साथ एडवोकेट राजेश एन पांडेय ए एडवोकेट राजेश कुमार पांडेय के साथ में कई सौ लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे, लोगों ने कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा किया कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष श्री नागेंद्र तिवारी जी के साथ में मंडल अध्यक्ष श्री पांडेय जी सुनील तिवारी जी आदि सभी पदाधिकारीयो का वहा पर मौजूद लोगों ने बहुत ही प्रशंसा किया।

मधुबनी खादी मेला में मधुबनी चित्रकला का जलवा रहा बरकरार

दो दिनों में हुई 6 लाख से ऊपर की बिक्री

मधुबनी। मधुबनी के टाउन हॉल में चल रहे 10 दिवसीय खादी मेले के दो दिन विभिन्न स्टॉल पर खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड,पटना द्वारा राज्य स्तरीय खादी मेला सह उद्यमी बाजार का शुभारंभ 27 जनवरी 2024 को मधुबनी के टाउन हॉल में किया गया। मेले का उद्घाटन उप विकास आयुक्त श्री विशाल राज द्वारा किया गया। यह मेला

27 जनवरी 2024 से 5 फरवरी 2024 तक चलेगा। मेले के दो दिन में करीब 6 लाख से ऊपर की बिक्री हुई है। लोग विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों का सामान खरीदने में काफी रुचि दिखा रहे हैं। मेला में खास कर मधुबनी चित्रकला,भागलपुरी सिल्क, व पारम्परिक खादी के डिजाइनर कपड़े आकर्षण का केंद्र बने रहे हैं। मेले में खादी को बढ़ावा देने के लिए खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा इस बार विभिन्न जिलों से 87 स्टालें लगाई गई हैं ।साथ ही खादी, हैण्डलूम एवं हैण्डीक्राफ्ट, हस्तशिल्प, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना,पी०एम०ई०जी०पी०,जीविका समूह एवं दूसरी संस्थाओं का स्टॉल लगाया गया है ।हर काउंटर पर बिहार उत्पादित अलग-अलग हस्त निर्मित एवं आधुनिक उत्पादों की बिक्री की जा रही है ।मेला अवधि में कई कलाकारों व बुनकरों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है ।संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ मेले की रौनक बढ़ा रही हैं। मेला के दो दिनों की बिक्री से विक्रेता काफी खुश है और उन्हें बिहार उत्पादित सामानों को इस मेला के माध्यम से लोगों तक ले जाकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। खादी मेला के निरंतर आयोजन से बिहार के कलाकारों को एक प्लैट्फॉर्म के साथ रोजगार भी मिल रहा है।

बॉम्बे सैपर्स: युद्ध स्मारक के 100 पूरे होने पर जवानों ने किया गौरवशाली प्रदर्शन

बॉम्बे सैपर्स के जवानों ने मंगलवार को पुणे की दिघी पहाड़ियों पर बॉम्बे सैपर्स ग्रुप के प्रतिष्ठित युद्ध स्मारक के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में हैरतंगेज प्रदर्शन किए

बॉम्बे सैपर्स का नाम आपने कम ही सुना होगा। लेकिन, इसका 200 वर्षों का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसे भारतीय सेना के 'बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप' के नाम से भी जाना जाता है। मंगलवार को पुणे की दीघी हिल्स में आकर्षक नजारा देखने को मिला, जब तेज गति से विमान ने बॉम्बे सैपर्स के कई सेवारत और अनुभवी कर्मियों को काफी ऊंचाई से पैराशूट के साथ छोड़ा। यह आयोजन बॉम्बे सैपर्स के युद्ध स्मारक के 100 पूरे होने के मौके पर किया गया। एलीट 411 (इंडिपेंडेंट) पैरा फील्ड कंपनी के सौ से ज्यादा पैराट्रूपर्स ने फ्री फॉल जंप किया।

पुणे की दिघी पहाड़ियों पर बॉम्बे सैपर्स ग्रुप के जवानों ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में पैराड्रॉप का प्रदर्शन किया। सैकड़ों फिट ऊंचाई से जवानों ने छलांग लगाई।

शहीदों के नामों से सजी दीवार

स्मारक का विस्तार 1979 में हुआ था। आधार का विस्तार किया गया था जबकि संचालन के नाम लिखने के लिए संगमरमर के चेहरे वाले पत्थरों की चार उपग्रह संरचनाओं को शामिल किया गया था। मंदिर का दूसरा विस्तार 2023 में शुरू किया गया था।

1924 में हुआ था निर्माण

पुणे: भारतीय सेना का बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप एंड सेंटर अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अपने प्रतिष्ठित युद्ध स्मारक का नवीनीकरण कर रहा है। ऐतिहासिक युद्ध स्मारक का निर्माण 1924 में किर्की के परेड ग्राउंड में किया गया था। शहीद हुए सभी सैनिकों के नाम नवनिर्मित स्तंभों पर उकेरे जाएंगे। इसका अनावरण 1 फरवरी को बीईजी केंद्र में किया जाएगा, "एक वरिष्ठ सेना अधिकारी ने बताया कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अधिकारियों और जवानों की याद में यह स्मारक परेड ग्राउंड के प्रवेश द्वार को सुशोभित करता है।

कई भाषाओं में शिलालेख

ब्रिटिश सेना अधिकारी कर्नल बीबी रसेल, जिन्होंने 1905-09 के बीच केंद्र के कमांडेंट के रूप में कार्य किया। उन्होंने 17 फरवरी, 1923 को स्मारक की आधारशिला रखी। बॉम्बे के तत्कालीन गवर्नर ने 10 सितंबर, 1924 को इसका अनावरण किया। बॉम्बे सैपर्स के रिकॉर्ड के अनुसार, कोर ऑफ इंजीनियर्स के सैपर्स ने अंग्रेजी, उर्दू, गुरुमुखी और मराठी में शिलालेखों के साथ एक पत्थर की कब्र का उपयोग करके स्मारक का निर्माण किया ।

खबर संक्षेप

गणना: लद्दाख में सबसे अधिक हिम तेंदुए

नई दिल्ली। वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय

वन्यजीव बोर्ड की बैठक में रिपोर्ट पेश की। जिसमें 70% से अधिक संभावित हिम तेंदुए की रेंज को शामिल किया गया। हिम तेंदुए की जनसंख्या आकलन में भारत में कुल 718 तेंदुए पाए गए। जिसमें लद्दाख में सर्वाधिक तेंदुओं की जनसंख्या 477, जम्मू-कश्मीर में 9, उत्तराखंड 124, हिमाचल प्रदेश 51, अरुणाचल प्रदेश 36, सिक्किम 21 और दर्ज की गई।

एलजी सिन्हा ने सुनी शिकायतें

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को वर्चुअल मोड से 'एलजी से मुलाकात- लाइव लोक

शिकायत सुनवाई' कार्यक्रम के तहत लोगों के साथ बातचीत की और उनकी शिकायतें सुनीं। उपराज्यपाल ने संबंधित अधिकारियों को अधिक पारदर्शिता के साथ समयबद्ध तरीके से शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आवेदकों ने मौके पर ही उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए उपराज्यपाल का आभार व्यक्त किया। इस दौरान उपराज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि वे लोगों की समस्याएं सुनी। और निर्देश भी दिए गए।

चीन से खतरे पर बोले अमेरिकी सांसद

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों के लिए बेहतर मौका

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कैलिफोर्निया से रिपब्लिकन सांसद इस्सा ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध आज चीन के खतरे पर आधारित नहीं लगते हैं। उन्होंने कहा, मैं चीन के खतरे को एक अवसर के रूप में देखता हूं। जिन वस्तुओं का उत्पादन चीन में किया जाता है, उसी लागत पर भारत में भी वस्तुओं का उत्पादन किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि दोनों देश हकीकत में मजबूत समझौते करें।

जिसमें, मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भी शामिल हो। ताकि, भारत और अमेरिका एक-दूसरे को पहले साझेदार के तौर पर देखें। मुझे लगता है कि हम यह करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय कर चुके हैं। अमेरिका-दक्षिण एशिया संबंधों पर इस्सा ने कहा, अमेरिका में हमारी सबसे बड़ी और सबसे सफल कंपनियों को चलाने वाले लोग कौन हैं? अमेरिका में प्रवर्तक (इनोवेटर्स) कौन हैं? हमारे विश्वविद्यालयों पर किसका दबदबा है? इसका स्पष्ट जवाब है- भारतीय छात्रों का। इस्सा ने आगे कहा, भारतीय छात्र अमेरिका में रहना चाहते हैं। जबकि, चीन अपने अपने छात्रों को वापस अपने देश ले जाना चाहता है।

मुक्त व्यापार समझौते बढ़े हैं

इस्सा ने कहा, जो भारतीय निवेशक अपने एल-1 वीजा का विस्तार करना चाहते हैं, वे अधिक मात्रा में अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं। ये वे लोग हैं, जो भारत और अमेरिका का मेल-जोल चाहते हैं। वे हकीकत में अमेरिका में अपने पैर जमाना चाहते हैं। उन्होंने एफटीए की वकालत करते हुए कहा कि ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा.. सभी के लगातार मुक्त व्यापार समझौते बढ़े हैं। इन देशों के तकनीकी को साझा करने के लिए आपस में समझौते हैं। उनके पास ऐसी कंपनियां भी हैं, जिनके एक-दूसरे के देशों में मुख्यालय हैं और कारोबार कर रहे हैं।

कमी को भारत पूरा कर सकता है

इस्सा ने आगे कहा, क्या हम (भारत-अमेरिका) बराबर के भागीदार हैं? नहीं, हम नहीं हैं। हमारे यहां ज्यादा पैसा है। आपके यहां लोग अधिक हैं। हमारे यहां ज्यादा लोग वकील बनना चाहते हैं और आपके यहां अधिक लोग इंजीनियर बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका कई समान मूल्यों को साझा करते हैं। लेकिन, कार्य नैतिकता और शिक्षा नैतिकता को काफी अलग तरीके से देखते हैं। अमेरिका की कमी को भारत के साथ साझेदारी से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा, मैं एक दुनिया (वन वर्ल्ड) में भरोसा नहीं करता है। मेरा मानना है कि दुनिया साझेदारी से बनी है।

36 घंटे के अंदर भारतीय नौसेना का दूसरा सफल ऑपरेशन

17 ईरानियों के बाद समुद्री डाकुओं के चंगुल से छुड़ाए गए 19 पाकिस्तानी

भारतीय नौसेना ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार मछली पकड़ने वाले जहाज अल नामी को बचाया है। भारतीय रक्षा अधिकारी के मुताबिक भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो ने चालक दल को सुरक्षित बचाने के लिए ऑपरेशन में हिस्सा लिया।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इस सफल ऑपरेशन के बाद भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि नौसेना के जहाज आईएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तट पर एक और सफल अभियान को अंजाम दिया है। भारतीय नौसेना ने मछली पकड़ने वाले जहाज और उसके चालक दल को 11 सोमाली समुद्री लुटेरों से बचाया है। इस जहाज पर 19 पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में पिछले 36 घंटे में दो जहाजों को समुद्री लुटेरों से बचाया है। इनमें से एक जहाज में 19 पाकिस्तानी नाविक थे, जिन्हें भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा में तैनात नेवी के जांबाज सैनिकों ने समुद्री लुटेरों के चंगुल से छुड़ाया है। बता दें कि आईएनएस सुमित्रा एंटी पायरेसी ऑपरेशन्स के लिए अरब सागर में तैनात है। मदद के लिए कॉल आने पर नौसेना ने अपने युद्धपोत को बंधकों को छुड़ाने के लिए एक्टिव किया और पिछले 36 घंटे के दौरान 19 पाकिस्तानी और 17 ईरानी नागरिकों को समुद्री लुटेरों से बचाया।

24 घंटे के अंदर दूसरी बार नाव को कराया मुक्त

11 सोमाली समुद्री लुटेरों से भारतीय सेना ने बचाया

अदन की खाड़ी में तैनात है आईएनएस सुमित्रा

भारतीय नौसेना के स्वदेशी जहाज आईएनएस सुमित्रा को सोमालिया के पूर्व अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती को रोकने और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात किया गया है। 28 जनवरी को इस युद्धपोत ने मछली पकड़ने वाले एक ईरानी जहाज को समुद्री डाकुओं के चंगुल से छुड़ाया, जिसमें 17 ईरानी नागरिक सवार थे। जिसके बाद इन्हें आगे के लिए रवाना कर दिया गया। वहीं अगले 36 घंटे के अंदर ही एक और सफल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए आईएनएस सुमित्रा ने 19 पाकिस्तानी नागरिकों को समुद्री लुटेरों के चंगुल से छुड़ाया है।

मछली पकड़ने वाले जहाज पर किया था लुटेरों ने हमला

इस सफल ऑपरेशन के बाद भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि नौसेना के जहाज आईएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तट पर एक और सफल अभियान को अंजाम दिया है। भारतीय नौसेना ने मछली पकड़ने वाले जहाज अल नामी और उसके चालक दल को 11 सोमाली समुद्री लुटेरों से बचाया है। इस जहाज पर 19 पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे। एक अधिकारी के मुताबिक, भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो ने चालक दल को सुरक्षित बचाने के लिए इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया।

इससे पहले बचाया था ईरानी जहाज

आपको बता दें कि इससे पहले भारतीय नौसेना ने एक सफल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए सोमाली समुद्री डाकुओं के चंगुल से 17 ईरानी नागरिकों को छुड़ाया था। समुद्री डाकुओं ने ईरानी जहाज का अपहरण कर लिया था, जिसमें लगभग 17 लोग सवार थे। जिन्हें भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा में तैनात जांबाज सिपाहियों ने एक ऑपरेशन के तहत छुड़ा लिया।

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मुंबई हलचल/संवाददाता

दिनांक 26 जनवरी कार्यक्रम राष्ट्रध्वज वह संचालन समारंभ 2024 शुक्रवार इस दिन राज्यपाल महोदय जी के कार्यक्रम में उपस्थित कड़क न्यूज को संपादक श्री योग गुरु राधेश्याम जयसवार पूरे कार्यक्रम को कड़क न्यूज के जरिए संबोधित करते हुए अपने कार्यों को सही रूपरेखा में दर्शाया राज्यपाल के कार्यक्रम में सभी गवर्नमेंट के पदाधिकारी परेड करते हुए दिखाई दिए योग गुरु राधेश्याम ने कड़क न्यूज के जरिए वन विभाग अधिकारी वह ट्रैफिक पुलिस कमांडो नेवी राष्ट्रीय स्वयंसेवक उनकी परेड और ऐसे सभी जमीन पर चलने वाले वहां और सभी जवान के परेड देखने को मिला सभी जवानों के परेड को और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देने के लिए श्री राज्यपाल महोदय श्री रमेश वैस साहब जी ने पूरे शिवाजी पार्क के ग्राउंड को एक चक्कर लगाकर सभी के परेड देखें और उन्हें सलामी दिया और विकास के ऊपर उन्होंने अपने सरकार के विषय में सभी लोगों को बताया योग गुरु राधेश्याम ने कड़क न्यूज के जरिए अपने कार्यों को अंजाम दिया।

सड़क सुरक्षा को लेकर माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को ना हो समस्या: प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार पांडे

मुंबई हलचल/ संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा के निर्देश पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत अपर पुलिस उपायुक्त शिव राम यादव द्वारा शहर की भीड़ भाड़ वाले चौराहों पर अनाधिकृत बसों एवं टैम्पो,टैक्सी, ई रिक्शा चालकों को निर्देशित किया गया कि चौराहों से पचास मीटर दूर पंक्तिबद्ध होकर ही खड़े हों तथा निर्धारित स्थान पर ही सवारी को बैठाए या उतारें, माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम यातयात हेतु सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। शहर में चल रहे बिना रजिस्ट्रेशन ,एचएसआरपी व प्रदूषण युक्त वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही की लिए निर्देशित किया निकट भविष्य में अनाधिकृत रूप से चल रहे अवैध बसों के विरुद्ध कार्यवाही के भी संकेत दिए जिसमे मुख्यरूप से सिविल लाइंस बस अड्डा पर आने वाले बसों के बारे में हैं,डग्गामार वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

उत्तराखंड में किस परमिट पर कौन से वाहन चलेंगे, जल्द होगा तय

समिति ने सौंपी सरकार को रिपोर्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में अब जल्द ही परमिट जारी करते समय यह तय किया जाएगा कि कौन से मॉडल के वाहन किस परमिट पर संचालित होंगे। इसके लिए परिवहन मुख्यालय स्तर पर बनाई गई समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। अब इस रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद इस विषय को राज्य परिवहन प्राधिकरण की बैठक में प्रस्तुत करने की तैयारी है। प्रदेश में व्यावसायिक वाहनों के संचालन की समय सीमा तय हो चुकी है। केंद्र के निर्देशों के अनुसार 15 वर्ष से पुराने व्यावसायिक वाहनों को कबाड़ घोषित किया गया है। नए वाहनों में भी नए वाहन नवीनतम भारत सीरीज के जारी हो रहे हैं। यही वाहन दिल्ली व अन्य

राज्यों में जा सकते हैं। उत्तराखंड में अभी कई व्यावसायिक वाहन पुराने मॉडल के चल रहे हैं, जिनकी समय अवधि अभी 15 साल पूर्ण नहीं हुई है। ऐसे वाहन किन मार्गों पर चलने के उपयुक्त हो सकते हैं, इसके लिए परिवहन मुख्यालय स्तर से एक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने इसका अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट मुख्यालय को सौंप दी है। अब मुख्यालय इस रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद निर्णय लेगा कि इस पर आगे क्या कदम उठाए जाने हैं।

राज्य परिवहन प्राधिकरण की बैठक जल्द प्रस्तावित है। इस बैठक में पर्वतीय मार्गों पर बसों का व्हील बेस बढ़ाने, चुनाव ड्यूटी पर लगने वाले वाहनों के किराए के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने व परमिट देने के संबंध में विचार किया जाना है। ऐसे में परमिट में मॉडल तय करने के संबंध में भी विषय इस बैठक में लाया जा सकता है। सचिव एसटीए व संयुक्त परिवहन आयुक्त एसके सिंह का कहना है कि जल्द ही बैठक के लिए तिथि तय की जाएगी।

उत्तराखंड को मिली पहली महिला मुख्य सचिव, राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी समेत संभाल चुकी हैं ये अहम पद

देहरादून। राज्य के नए मुख्य सचिव को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। सरकार ने 1988 बैच की आईएएस अधिकारी व वर्तमान में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को राज्य का नया मुख्य सचिव बनाने पर मुहर लगाई है। इसके विधिवत आदेश आज (बुधवार) जारी होंगे। राधा रतूड़ी वर्तमान मुख्य सचिव डा एसएस संधु की सेवानिवृत्ति पर बुधवार दोपहर बाद पदभार ग्रहण करेंगी। आईएएस रतूड़ी इस समय अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री का दायित्व देख रही हैं। उत्तराखंड के अलग राज्य बनने के बाद राधा रतूड़ी राज्य के सर्वोच्च प्रशासनिक पद पर आसीन होने वाली पहली महिला आईएएस अधिकारी होंगी। इससे सरकार ने अपने इस कदम से महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया है। वर्तमान मुख्य सचिव डा एसएस संधु का विस्तारित कार्यकाल बुधवार को समाप्त हो रहा है।

वरिष्ठता में सबसे ऊपर इस समय अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ही हैं। वैसे तो आईएएस आनंद

बर्द्धन भी अपर मुख्य सचिव हैं, लेकिन वह वरिष्ठता में आईएएस राधा रतूड़ी से काफी पीछे हैं। बर्द्धन 1992 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुमोदन के बाद राज्य के नए मुख्य सचिव के रूप में राधा रतूड़ी के नाम पर मुहर लगा दी गई। यद्यपि, रतूड़ी का कार्यकाल काफी अल्प अवधि का रहने वाला है। उनकी सेवानिवृत्ति 31 मार्च को होनी है। यह सरकार पर निर्भर है कि वह उनके कार्यकाल को विस्तार देती हैं अथवा नहीं। बहरहाल, राधा रतूड़ी पदभार ग्रहण करने के बाद राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव होंगी। इससे पूर्व 1973 बैच की आईपीएस अधिकारी कंचन चौधरी भट्टाचार्य वर्ष 2004 में राज्य की पहली महिला डीजीपी बनी थीं। आईएएस राधा रतूड़ी के पति 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल रतूड़ी भी डीजीपी रहे हैं। राज्य में भारतीय वन सेवा के सर्वोच्च पद प्रमुख मुख्य वन संरक्षक का दायित्व भी वर्ष 2016 में 1980 बैच की महिला आइएफएस अधिकारी बीना सेखरी संभाल चुकी हैं। यह संयोग राज्य में पहली बार होगा, जब पति व पत्नी, दोनों ही प्रशासनिक व पुलिस सेवा के वरिष्ठतम पद पर आसीन रहे हों।

36 साल का है कार्यकाल

आईएएस राधा रतूड़ी अपने 36 वर्ष के कार्यकाल में कई अहम पदों पर आसीन रही हैं। वह अपर मुख्य सचिव महिला सशक्तिकरण, राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी देहरादून समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका का निर्वहन कर चुकी हैं।

समय से पहले आसन वेटलैंड पहुंचा पेंटेड स्ट्रोक का दल, विशेषज्ञ भी हैरान

विकासनगर। मौसम में आ रहा बदलाव जीवों के व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। शायद यही वजह है कि देश के पहले कंजर्वेशन रिजर्व आसन वेटलैंड को कुछ समय के लिए अपना आशियाना बनाने वाले पेंटेड स्ट्रोक इस बार समय से पहले यहां प्रवास पर पहुंच गए। पक्षी विशेषज्ञ भी इसकी वजह मौसम में आए बदलाव को मान रहे हैं। उनका कहना है कि पक्षियों की एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवाजाही आमतौर पर मौसम के बदलाव और भोजन की आवश्यकता को लेकर होती है। पेंटेड स्ट्रोक का समय से पहले आसन वेटलैंड पहुंचना चौंकाने वाला है।

लक्सर पुलिस ने 2 स्मैक तस्करो को किया गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से 11.63ग्राम स्मैक भी बरामद

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

लक्सर हरिद्वार। लक्सर कोतवाली पुलिस ने स्मैक की तस्करी करने वाले दो आरोपीयो को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। वही कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 11.63 ग्राम स्मैक को भी बरामद किया गया है।आपको बतादे की इन दिनों पुलिस द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान को सफल बनाने के लिए हर मुमकिन प्रयास कर रही है। जिसके चलते एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा जनपद हरिद्वार को नशा मुक्त करने के लिए अवैध शराब, स्मैक व चरस आदि तस्करों की कमर तोड़ने के लिए यह अभियान चला जा रही है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए लक्सर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा नशा तस्करी के मामले में दो आरोपीयो को गिरफ्तार किया है। वही पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आरोपी के कब्जे से 11.63ग्राम स्मैक बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपीयो का नाम दानिश पुत्र यूसुफ निवासी ग्राम मोहम्मदपुर कुन्हारी, फरमान पुत्र इमरान ग्राम मोहम्मदपुर कुन्हारी थाना लक्सर बताया गया है। लक्सर कोतवाली पुलिस टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए आरोपीयो को लक्सर क्षेत्र से अलग अलग जगहों से अवैध स्मैक सहित गिरफ्तार किया है।आरोपीयो के विरुद्ध पूर्व में भी मुकदमे दर्ज हैं जिनके बारे में आपराधिक इतिहास की जानकारी ली जा रही है।आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

कांस्टेबल नरेश जोशी को मिलेगा 'जीवन रक्षा पदक', अपनी जान पर खेलकर बचाई थी 25 जिंदगियां

मुंबई हलचल/संवाददाता

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में हुए जहरीले गैस रिसाव के दौरान जान पर खेल 25 लोगों की जिंदगी बचाने वाले कांस्टेबल चालक नरेश जोशी को राष्ट्रपति जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इन्होंने अपनी जान पर खेलकर कई लोगों की जान बचाई थी। 30 अगस्त, 2022 की सुबह पांच बजे ट्रांजिट कैंप के आजाद नगर में कबाड़ के गोदाम में सिलेंडर से जहरीली गैस अमोनिया का रिसाव हो गया था। गैस रिसाव से कई लोगों के बेहोश होने की सूचना पर प्रशासन व पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। तत्कालीन एएसपी, एसडीएम, सीओ, सीएफओ समेत 38 से अधिक लोगों को आंखों में जलन तथा सांस लेने में काफी परेशानी हुई। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया था। इस दौरान अपनी जान की परवाह न करते हुए कबाड़ के गोदाम में रखे जहरीली गैस सिलेंडर को आरक्षी चालक नरेश जोशी ई-रिक्शा में रख आबादी से दूर ले गए। वीरता के इस प्रदर्शन पर उन्हें जीवन रक्षा पदक श्रृंखला पुरस्कार-2023 के तहत सम्मानित किया जाएगा। कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने इस उपलब्धि पर नरेश जोशी की सराहना करते हुए औरों के लिए भी प्रेरणादायी बताया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

30 मिनट की सैर करेंगे तो नहीं आएगी घुटने बदलने की नौबत

साल 2014 में देश में लगभग 70 हजार लोगों ने घुटने और 6 हजार लोगों ने हिप की रिप्लेसमैंट करवाई। इन अंगों की रिप्लेसमैंट उन लोगों के लिए फैशन बनने लगी है जिन्हें दर्द बिल्कुल सहन नहीं होता और वे दर्द का फौरन इलाज चाहते हैं। ऐसे लोगों को सर्जन रिप्लेसमैंट सर्जरी की सलाह देते हैं जिन्हें वे मान भी लेते हैं। चिंता की बात यह है कि 30-40 वर्ष के युवा घुटने और हिप की रिप्लेसमैंट करवा रहे हैं जबकि वे इस समस्या से जीवनशैली और खानपान में बदलाव कर निजात पा सकते हैं।

जितना हो सर्जरी टालें : ऑर्थोपैडिक विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि किसी को आर्थराइटिस की गंभीर समस्या है तो घुटने की रिप्लेसमैंट करवाना सही विकल्प है, लेकिन प्रारंभिक अवस्था में इससे कसरत और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं से आराम पाया जा सकता है।

पेन किलर किडनी को पहुंचती है नुकसान : घुटनों व कूल्हों के दर्द का सबसे पहला उपचार है पेन किलर जो पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि ये घुटने का दर्द कम तो करते हैं लेकिन लिवर व किडनी को भी नुक्सान पहुंचाते हैं। यदि दवाएं लेने व कसरत के दौरान, चलते समय दर्द या पैरों में टेढ़ापन महसूस हो तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। लाइफ स्टाइल बदलें आमतौर पर 20 वर्ष की आयु के बाद से घुटनों के घिसने व दोबारा बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है लेकिन 40 साल के बाद हड्डी बनने की तुलना में घिसती ज्यादा है। खानपान और जीवनशैली में बदलाव कर हड्डियों को मजबूत रखा जा सकता है। विटामिन डी कैल्शियम और प्रोटीन युक्त चीजों को भोजन में शामिल करें। 30-40 साल की उम्र के बाद आलती-पालती मारकर बैठना व सीढ़ियों पर उतरने-चढ़ने की बजाय पैदल चलना ज्यादा उचित होता है।

- चलते समय हमारी आंख, दिमाग और पैरों का संतुलन नहीं गड़बड़ाना चाहिए।
- स्थिर कदमों से चलें। अपना सिर ऊंचा रखें। रीढ़ की हड्डी सीधी रखें।
- हाथों को 90 डिग्री पर झुकाकर आगे-पीछे हिलाएं।
- सीढ़ियों पर चढ़ते समय किसी से आगे निकलना हो या क्रॉस करना हो तो दिशा बदल लें।
- स्मूथ व साफ जगह पर भी दौड़ना हो तो पहले बॉडी वॉर्मअप जरूर करें।
- फिसलन व ऊबड़-खाबड़ सड़क पर न दौड़ें।

सावधानी से चलें

चलने-फिरने में सावधानी बरतने से पैरों और घुटनों को भी फिट रखा जा सकता है। 30 मिनट रैगुलर वॉक से मोटापे और डायबिटीज का खतरा घटता है। 65 किलो वजन का व्यक्ति 6.5 कि.मी. प्रति घंटे की गति से चले या दौड़े तो एक घंटे में 362 कैलोरी बर्न कर सकता है। वॉक करने से डायबिटीज, ऑस्टियोपोरोसिस, तनाव में भी लाभ होता है। वॉकिंग नैचुरल कसरत है जो हृदय रोगों से बचाती है और हड्डियों को मजबूत कर मोटापे को घटाती है। इनके लिए जरूरी है कि आराम से व सही पोश्चर में चले

एक कटोरी दलिया खाकर दूर रखें बड़ी बीमारियां

दलिया साबुत अनाज है, इसमें प्रोटीन,विटामिन बी1, बी2,फाइबर के अलावा और भी बहुत सारे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में शामिल हैं। लो कैलोरी दलिए का सेवन ज्यादातर लोग नाश्ते में करते हैं। सुबह के समय दलिए का सेवन करने से सारा दिन शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, इसे अलावा शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए नाश्ते में खाया गया दलिया बहुत फायदेमंद साबित होता है। आइए जानें इसके फायदे।

1. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल

शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से आजकल हर 5 मे से 2 लोग परेशान हैं। इसे नियंत्रित करना बहुत जरूरी है क्योंकि कोलेस्ट्रॉल की गड़बड़ी दिल के रोग पैदा करने का काम करती है। दलिया में पाए जाने वाले घुलनशील और अघुलनशील फाइबर हाई कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इससे दिल के रोग होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

2. हड्डियां मजबूत

संतुलित आहार की अनदेखी से आजकल बहुत लोग हड्डियों की कमजोरी से जूझ रहे हैं। दलिया मैग्नीशियम और कैल्शियम का बहुत अच्छा स्त्रोत है। रोजाना इसका सेवन करने से बढ़ती उम्र में जोड़ों के दर्द की शिकायत नहीं होती। यह पित्ते की थैली को भी साफ करने का काम करता है। जिससे पित्ते की पथरी से बचाव रहता है।

3. वजन करे कम

कुछ लोगों का वजन एक्सरसाइज करने के बावजूद भी कम होने का नाम नहीं लेता। काबोर्हाइड्रेट से भरपूर दलिया नाश्ते में खाने से वजन जल्दी ही नियंत्रण में आना शुरू हो जाता है। दलिया खाने से पोषक तत्वों की पूर्ति भी हो जाती है और लंबे समय तक भूख भी महसूस नहीं होती।

4. खून की कमी दूर

शरीर में आयरन की कमी होने से खून का स्तर भी कम हो जाता है। जिससे कमजोरी और थकावट महसूस होने लगती है। दलिया आयरन का बहुत अच्छा स्त्रोत है। यह खून की मात्रा को बेलेंस करके रखता है। इससे अलावा इससे मेटाबॉलिज्म की बढ़ने लगता है।

5. ब्रेस्ट कैंसर से बचाव

ब्रेस्ट कैंसर की बीमारी के मामले भी आजकल आम सुनने को मिल रहे हैं। यह महिलाएं में होने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। इससे बचने के लिए साबुत अनाज का सेवन फायदेमंद है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि फाइबर से भरपूर दलिया ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम कर देता है।

6. डायबिटीज में लाभकारी

मैग्नीशियम से भरपूर दलिया शरीर में लगभग 300 प्रकार के एंजाइम बनाता है। ये एंजाइम इंसुलिन बनाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा ये ब्लड तक ग्लूकोज की जरूरी मात्रा पहुंचाने का भी काम करते हैं। रोजना दलिया खाने से टाइप-2 की बीमारी कंट्रोल हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पर्दे पर फिर दिखेगी जॉन अब्राहम और अभिषेक बच्चन की जोड़ी

बीते साल मार्च में अभिनेता-निर्माता जॉन अब्राहम ने मलयालम हिट फिल्म, 'अयप्पनम कोशियुम' का हिन्दी रीमेक राइट लिया था। जब से जॉन ने राइट प्राप्त किए हैं फैंस यह जानने के लिए उत्सुक थे कि फिल्म के हिन्दी संस्करण में कौन से दो कलाकार साथ में काम करेंगे। अब ताजा खबरों की माने तो दोस्ताना जोड़ी जॉन अब्राहम और अभिषेक बच्चन इस फिल्म में साथ दिखने वाली है। दोनों कलाकारों ने अय्यप्पनम कोशियुम के रीमेक पर कोलेबरेट करने के लिए बातचीत शुरू की है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों जल्द ही पेपर वर्क के साथ काम शुरू करेंगे। दोस्ताना 2008 में रिलीज हुई थी और फिल्म में जॉन और अभिषेक की केमिस्ट्री को काफी सराहा गया था। जब से यह जोड़ी कोलेबरेट करने के लिए सही परियोजना की तलाश में है, लेकिन कभी कुछ काम नहीं किया। खबरों के अनुसार, वे दोस्ताना 2 पर एक साथ काम करना चाहते थे, लेकिन पटकथा उस हिसाब से नहीं बन पाई। अब जाह्नवी कपूर, कार्तिक आर्यन और लक्ष्य सहित पूरी तरह से नए कलाकारों के साथ फिल्म को बनाया गया है।

अभय देओल के साथ नजर आएंगी माही गिल

2009 में रिलीज हुई फिल्म देव .डी में अभय देओल माही गिल के बिंदास अभिनय को काफी तारीफें मिली थीं। देव .डी के बाद यह जोड़ी फिर साथ में नजर आने वाली हैं। माही गिल और अभय देओल आगामी सीरीज में दिखाई देंगे। सीरीज में माही गिल शगुन सिंह का किरदार निभा रही हैं, जो एक गौरवशाली सेना पत्नी है। वो अपने सह कलाकार, अभय देओल के विपरीत आ रही हैं। महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित इस सीरीज में सुमीत व्यास, आकाश थोसर एवं कई अन्य प्रभावशाली किरदार भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। हॉटस्टार स्पेशल्स सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है इस सीरीज के बारे में माही गिल ने कहा, मेरे लिए खास है। एक बार मैंने सेना के लिए आवेदन किया था और मेरा चयन भी हो गया था। और आज मुझे एक वॉर सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला है। मैं एक सैनिक नहीं, बल्कि एक गौरवशाली सेना पत्नी का किरदार निभा रही हूं।

...तापसी पन्नू ने बयां किया दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। उनकी हर फिल्म को काफी पसंद किया जाता है। लेकिन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए तापसी को काफी संघर्ष करना पड़ा। हाल ही में एक इंटरव्यू में तापसी ने बताया कि, जब उन्होंने फिल्मी करियर के शुरूआत की थी तो उन्हें कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। तापसी पन्नू ने बताया कि मैं एक साधारण सी लड़की थी। जो बहुत ज्यादा खूबसूरत नहीं थी। इसलिए कई बार मुझे रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। फिल्म में लेने के बाद भी कई बार मुझे एक्टर की वाइफ के कहने पर भी रिप्लेस कर दिया जाता था। हद तो तब हुई जब मैं एक फिल्म के लिए डबिंग कर रही थी। तभी मुझे बताया कि हीरो को मेरा डायलॉग अच्छा नहीं लगा। तो इसे बदलना होगा। फिर जब मैंने ऐसा करने से मना किया तो दूसरे डबिंग आर्टिस्ट से वो काम करा लिया गया। तापसी ने ये भी बताया कि मैंने अपने करियर में वो वक्त भी देखा है जब मुझे कहा जाता था कि हीरो की पिछली फिल्म फ्लॉप थी। इसलिए आपकी फीस कम कर रहे हैं। इससे फिल्म का बजट भी कंट्रोल हो जाएगा। तापसी ने कहा कि कुछ एक्टर तो ऐसे भी होते है जो मेरा इंट्रोडक्शन सीन सिर्फ इसलिए बदलवा देते थे ताकि मेरे सीन्स उनके इंट्रोडक्शन सीन्स पर भारी ना पड़ जाएं।